हिंदी विभाग

चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

दिनांक: 17.08.2022
पत्रांक: हि.वि./प्र.क./371

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष, समन्वयक, निदेशक,
चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विषय : दिनांक 22–23 अगस्त 2022 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कबीर का चिंतन और भारतीय समाज' के अवसर पर आयोजित निबंध लेखन एवं आशुभाषण प्रतियोगिता के संदर्भ में।

महोदय,

हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में दिनांक 22–23 अगस्त 2022 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कबीर का चिंतन और भारतीय समाज' के संदर्भ में दिनांक 22 अगस्त 2022 को अन्तरविश्वविद्यालय स्तर पर निबंध लेखन एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आपसे विनम्र निवेदन है कि विभाग के विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु सूचित करने तथा दोनों प्रतियोगिताओं में दो–दो विद्यार्थियों को नामित करने का कष्ट करें तथा आपसे अनुरोध है कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का कष्ट करें तथा विभाग के अन्य शिक्षकों को राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होने हेतु सूचित करने का कष्ट करें।

धन्यवाद,

भवदीय,

अध्यक्ष
प्रो० नवीन चन्द्र लोहनी
हिंदी विभाग
चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

- प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थी डॉ० आरती राणा (8650832753/ aartiranars@gmail.com / hindiccsu@gmail.com) से संपर्क करें।
- प्रतियोगिता हेतु नामित विद्यार्थियों की सूचना दिनांक 20.08.2022 तक प्रेषित करने का कष्ट करें।
- निबंध प्रतियोगिता हेतु विषय– 1. कबीर का जीवन दर्शन 2. आधुनिक संदर्भ में कबीर की प्रासंगिकता 3. भक्तिकाल के प्रतिनिधि कविः कबीर 4. कबीर काव्य के वैचारिक आयाम 5. कबीर काव्य में जीवन मूल्य।
- आशुभाषण के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा तथा विषय उसी समय दिए जाएंगे।
- प्रतियोगिता स्थलः– संगोष्ठी कक्ष, हिंदी विभाग, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर मेरठ।
- प्रतियोगिता के परिणाम दिनांक 23.08.2022 को 10:00 बजे बृहस्पति भवन में घोषित किए जाएंगे, सभी प्रतियोगी समय पर उपस्थित रहें।
- दोनों प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए नकद धनराशि तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

  प्रथम पुरस्कार–1000रू, द्वितीय–750रू, तृतीय–500रू, दो सांत्वना–250रू
- **समय** :– निबंध प्रतियोगिता– दोपहर 10:30 से 11:30 बजे तक।

  आशुभाषण प्रतियोगिता– दोपहर 11:45 से 01:00 बजे तक।

हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में हिंदी विभाग की स्थापना 14 मई 2002 को हुई। इससे पूर्व में पत्राचार पाठ्यक्रम के रूप में हिंदी पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता रहा है। हिंदी विभाग की स्थापना के पश्चात् यहाँ एम०ए० हिंदी, एम०ए० व्यावसायिक हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, एम० फिल् तथा पीएच० डी० हिंदी के पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुए। वर्तमान में बी०ए० आनर्स हिंदी एवं नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी०ए० संस्थागत पाठ्यक्रम का भी प्रारम्भ हुआ है। विभाग की स्थापना से अब तक 'प्रवासी हिंदी साहित्य' तथा 'कौरवी लोक साहित्य' को स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना विभाग की विशिष्ट उपलब्धि है। देश में प्रवासी हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम सर्वप्रथम इस विभाग ने प्रारंभ किया जिसे आज देश के अन्य शिक्षण संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों ने अपनाया है।

हिंदी विभाग ने स्थापना वर्ष के साथ ही अकादमिक उपलब्धियों, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं साहित्यिक समझ से विश्वविद्यालय में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। साथ ही राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम लहराया है। हिंदी विभाग कम्प्यूटर लैब तथा तकनीकी उपकरणों के प्रयोग से देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की अग्रिम पंक्ति में स्थान पा रहा है। हिंदी विभाग प्रदेश सरकार द्वारा उत्कृष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। विभाग में हिंदी दिवस के अवसर पर विभागीय पत्रिका मंथन प्रकाशित होती है। यह विश्वविद्यालय का पहला विभाग है जिसनें 2008 से अपना ऑनलाईन ब्लॉग प्रारम्भ किया।

देश का यह अकेला विश्वविद्यालय है जहाँ हिंदी साहित्यकारों के लिए 'साहित्यकारकुटीर' की स्थापना हुई। साहित्यकार कुटीर में हिंदी जगत के कई स्वनामधन्य रचनाकारों की मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं।

प्रो० नवीन चन्द्र लोहनी ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा रवीन्द्र नाथ टैगोर चेयर, लौजान विश्वविद्यालय, स्विटजरलैण्ड में एक सत्र के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के पद पर वर्ष 2012 में अध्यापन किया तथा उन्हें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा फरवरी 2017 से जून 2019 तक शंघाई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विश्वविद्यालय (सिसु SISU) में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया। वहाँ उन्होंने हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय संस्कृति से संबंधित अध्यापन कार्य किया। उच्च शिक्षा मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षक दिवस 2021 के अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षा योगदान के लिए प्रो० नवीन चन्द्र लोहनी को शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया है।

विभाग द्वारा राष्ट्रमण्डल खेलों में हिंदी प्रयोग को लेकर व्यापक जन अभियान छेड़ा गया। विभाग को अब तक विभिन्न सरकारी संस्थाओं द्वारा 05 शोध परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली, उच्च शिक्षा विभाग, उ०प्र० शासन, लखनऊ द्वारा अनुदानित परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं जिसमें शोधपरक मूल्यांकन, चिंतन, विश्लेषण द्वारा नवीन स्थापनाओं को विभाग द्वारा प्रकाश में लाया गया।

इस आयोजन की स्वीकृति प्रदान करने तथा सहयोग प्रदान करने के लिए विभाग माननीय कुलपति प्रो० संगीता शुक्ला जी तथा विश्वविद्यालय प्रशासन सहित संत कबीर अकादमी, मगहर, संस्कृति विभाग, उ०प्र० का आभार व्यक्त करता हैं।

आशा है कि आप सभी हिंदी विभाग के इस आयोजन में सहभागिता और अपने मूल्यवान विचारों से गोष्ठी को निष्कर्ष तक ले जाने में हमारी सहायता करेंगे।

पंजीयन प्रपत्र

नाम– .....

पदनाम– .....

विश्वविद्यालय / महाविद्यालय – .....

.....

पत्राचार का पता– .....

.....

.....

.....

ई–मेल – .....

फोन / मोबाइल –.....

शोध पत्र का शीर्षक (संलग्न) :– .....

.....

हिंदी विभाग में संचालित पाठ्यक्रम

पीएच० डी० हिंदी

प्री० पीएच० डी० कोर्सवर्क हिंदी

एम०ए० हिंदी

बी०ए० हिंदी ऑनर्स

बी०ए० हिंदी (एन०ई०पी०)

संत कबीर अकादमी, मगहर
(संस्कृति विभाग, उ.प्र.)

एवं

हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

कबीर का चिंतन और भारतीय समाज

एवं सांस्कृतिक संध्या

दिनांक 23 अगस्त 2022,

बृहस्पति भवन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ

अंतर विश्वविद्यालय आशु भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता

(आयोजन स्थल – संगोष्ठी कक्ष, हिंदी विभाग)

22 अगस्त 2022,

समय प्रातः 10:00 बजे

संरक्षक

प्रो. संगीता शुक्ला,

माननीय कुलपति

प्रो. वाई. विमला,

माननीय प्रतिकुलपति

आयोजक

प्रो. नवीन चंद्र लोहनी

संकायाध्यक्ष कला एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग

कबीर का चिंतन और भारतीय समाज

कबीर अंतः चेतना के कवि हैं। उनका 'स्व' कुछ नहीं है। 'पर' की चिंता उनके काव्य की केंद्रीयता है। अन्तःवृतियों को साधनात्मक रहस्यवाद से युग्मित कर समाज के प्रति ऐसी दृष्टि प्रदान करते हैं जो अंधकार युग में ज्योति बनकर भारतीय समाज का पथ प्रदर्शन करती है। कबीर का काव्य एक जीवन दर्शन है जिसके माध्यम से उन्होंने समाज को एक नवीन दृष्टि प्रदान की। कवि युग द्रष्टा होता है। वर्तमान को अतीत की दृष्टि प्रदान कर भविष्य की योजनाओं को कवि रूपायित करता हैं। कबीर की लेखनी हाशिए के समाज के लिए चलती है। कबीर जनता की आवाज बनते हैं इसलिए उनके लेखन में धार है, व्यंग्य है साथ ही भविष्य के प्रति आश्वासन भी है। कबीर को फक्कड़ कहा गया। कबीर का जीवन संत का जीवन है जहाँ परमार्थ है, त्याग है, मोह, माया, ममता नहीं है। वे कहते भी हैं कि "कबीरा खड़ा बाजार में लिए लुकाठी हाथ, जो घर फूंके आपने वो चले हमारे साथ।

कबीर की समाज दृष्टि कर्म प्रधान रही. लोककल्याण की भावना से उन्होंने काव्य रचना की। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी कहते हैं कि वे स्वाभाव से फक्कड़ थे, अच्छा हो या बुरा, खरा हो या खोटा, जिससे एक बार चिपट गए, उससे जिंदगी भर चिपटे रहे। वे सत्य के जिज्ञासु थे, और कोई मोह ममता उन्हें अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकती थी। वे मस्तमौला थे, मस्त जो पुराने कृत्यों का हिसाब नहीं रखता। वर्तमान कर्मों को सर्वस्व नहीं समझता और भविष्य में सब कुछ झाड़ फटकार कर निकल जाता है। कबीर का स्वर विद्रोह का स्वर है, समाज में अव्यवस्थाओं पर किसी भी प्रकार की लाग लपेट करने के पक्षपाती नहीं थे। समाज की कुरीतियों को दूर करने में एक सजग आंदोलनकारी की भांति कबीर खड़े रहे। कबीर की चर्चा महान संत के रूप में की जाती है, उनकी संत परम्परा कबीर पंथी के रूप में विकसित हुई। कबीर का व्यक्तित्व स्वयं में एक पूर्ण संस्था है। इसलिए कबीर को व्यापक रूप में समझने और विश्लेषण हेतु यह संगोष्ठी कबीर प्रेमियों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद रहेगी।

संगोष्ठी के उपविषय

1. कबीर का जीवन दर्शन
2. कबीर की सामाजिक क्रांतिकारिता
3. कबीर और युगीन संदर्भ
4. आधुनिक संदर्भों में कबीर की प्रासंगिकता
5. कबीर का कवि रूप
6. कबीर का भक्त रूप
7. कबीर काव्य में प्रतीक एवं बिम्ब
8. भक्तिकाल के प्रतिनिधि कवि कबीर
9. भाषा के डिक्टेटर कबीर
10. कबीर के राम
11. संत काव्य परम्परा और कबीर
12. कबीर काव्य के वैचारिक आयाम
13. कबीर काव्य में व्यंग्य
14. कबीर काव्य में जीवन मूल्य

उद्घाटन सत्र

कबीर का चिंतन और भारतीय समाज – प्रातः 10:00 बजे

डॉ० सच्चिदानन्द सिंह द्वारा लिखित पुस्तक

'संतवाणी' का लोकार्पण

प्रथम सत्र – 11:30 बजे – कबीर की समाज दृष्टि

भोजन – 01:30 बजे

द्वितीय सत्र – 02:30 बजे – कबीर कवि के रूप में

समानांतर सत्र – 02:30 बजे – शोध पत्र प्रस्तुति

समापन सत्र एवं सांस्कृतिक संध्या – 04:30 बजे

संयोजक

प्रो नवीन चंद्र लोहनी

संकायाध्यक्ष कला एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग,

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ– 250004

मोबाईलः 9412207200 ई–मेलः *hindiccsu@gmail.com*

आयोजन सचिव

डॉ विद्यासागर सिंह – 8171803589

आयोजन सह सचिव

डॉ प्रवीन कटारिया – 8077703608

डॉ आरती राणा – 8650832753

आयोजन समिति सदस्य

डॉ अंजू – 7618330081

डॉ यज्ञेश कुमार – 7599231973

शोधार्थी

मोहनी कुमार, कु. पूजा, विनय, अंकिता तिवारी,

पूजा यादव, अरशदा रिजवी

संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण हेतु शोध पत्र आमंत्रित किए गये हैं। शोधार्थी अपने शोध पत्र कृतिदेव ०१० और यूनिकोड में *hindiccsu@gmail.com, nclohani@yahoo.co.in* पर निर्धारित तिथि 15/08/2022 तक अवश्य भेज दें।